Tel: 0294-2471815, 2421753(O); FAX: 0294 2471815, 2470682 Email: mpuatmediacell@gmail.com

मीडिया प्रकोष्ट
संचार केंद्र, प्रसार शिक्षा निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उदयपुर–313001

MEDIA CELL
COMMUNICATION CENTRE
DIRECTORATE OF EXTENSION EDUCATION
MAHARANA PRATAP UNIVERSITY OF AGRICULTURE
AND TECHNOLOGY, UDAIPUR - 313001

Dr. Subodh Kumar Sharma PRO and In Charge Media Cell		No. PRO/MPUAT/2016/305 Dated: 10th July, 2017

प्रेस–विज्ञप्ति

कम लागत का कृषि यंत्रो के विकास की आवश्यकता

एमपीयूएटी मे उच्च स्तरीय मुल्यांकन समिति का दौरा

उदयपुर 10 जुलाई महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के अभियान्त्रिकी महाविद्यालय में संचालित विभिन्न अंखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा गठित क्यूआरटी कमेटी में विश्वविद्यालय का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक 5 वर्ष में एक बार यह दल अनुसंधान परियोजनाओं का मुल्यांकन करता है।

सोमवार को मूल्यांकन के पहले दिन कृषि अनुसंधान निदेशालय में आयोजित बैठक में विभिन्न परियोजना समन्वयको ने अपने अनुसंधान कार्यो का लेखाजोखा पावर पोईन्ट के जरिये बताया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अनुसंधान निर्देशक डॉ. एस.एस. बुरडक ने कमेटी के माननीय सदस्यों एवं विभिन्न केन्दों से आये परियोजना समन्वयको का स्वागत किया। उन्होंने कहां कि कृषि के विकास एवं विभिन्न कृषि कार्यो में लागत को कम करने एवं कृषक की कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिये कृषि अभियान्त्रिकी एवं ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतो का उचित उपयोग आवश्यक हैं।

क्यूआरटी मूल्यांकन के समन्वयक डॉ. अभय कुमार मेहता ने बताया कि पांच सदस्यीय दल की अध्यक्षता प्रो. गजेन्द्र सिंह पूर्व कुलपती एवं उपमहानिदेशक (कृषि अभियान्त्रिकी), आईसीएआर कर रहें है तथा दल के अन्य सदस्य डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. एम.के गर्ग, डॉ. दुरई राज एवं डॉ. के.एन. अग्रवाल है।

विभिन्न केन्द्रो के तकनिकी प्रदर्शन के दौरान क्यूआरटी दल ने सीटीआई में विकसित संवेदक आधारित परिवर्तन दर के स्प्रेयअर, पौध रोपण व्यवस्था युक्त मल्चिंग मशीन, पेड़ल चालित, मक्का छीलक यंत्र, पेड़ से नांरगी तोड़ने की मशीन एवं फार्म मशीनरी विभाग में विकसित उचित पेड़ल चालन दर (50 से 60 आरपीएम) की सराहना की।

मूल्यांकन समिति ने विभिन्न परियोजनाओं की कार्य योजना एवं शोध कार्यो को देख कर विभिन्न सिफारिशे भी की जिन में प्रमुख है–

1. विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों पर ऐसे कृषि उपकरण विकसित किये जाये जो कि किसान वहन कर सकें एवं किसानोंपयोगी साबित हों।
2. विभिन्न शोध परिणामों का परिमाण निर्धारित किया जाना चाहिए।
3. केन्द्र पर विकसित हेण्डडिबलर का निर्माण स्थानिय स्तर पर किया जाना चाहिए।
4. फार्म मशीनरी किसानों की पहुंच में होनी चाहिए।
5. वाहन आधारित फसल कटाई यंत्र एवं शक्ति चालित खरपतवार उखाड़ने की मशीन को कम्पन निरोधी बनायें या कम्पन कम करने का प्रयास करें।
6. छोटे किसानों जिनके पास एक या दो बैल हैं उनके वहन करने योग्य कम लागत का कृषि यंत्रो का विकास किया जाना चाहिए।

अभियांत्रिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एम. माथुर ने बताया कि इस मूल्यांकन में सीटीएई उदयपुर के अलावा बीकानेर एवं गुजरात के जुनागढ़ एवं स्पेरी केन्द्रों पर संचलित सम्बन्धित परियोजनाओं का मूल्यांकन किया जा रहा है। इसमें फार्म इम्पिलिमेंटेशन मशीनरी के परियोजना अन्वेषक डॉ. एस.एम. माथुर, पशु ऊर्जा अभियांत्रिकी के डॉ. जी.एस. तिवारी, कृषि में ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए डॉ. एम.एल. पंवार नविकरणीय ऊर्जा के लिये डॉ. दीपक शर्मा एवं कृषि में श्रम दक्षता अनुसंधान परियोजना के लिए डॉ. अभय कुमार मेहता ने प्रजेन्टेशन दिया। मंगलवार को मुल्यांकन समिति सर्वप्रथम सीटीआई के विभिन्न भागों एवं परियोजनाओं के तहत् विकसित विभिन्न तकनिकों एवं मशीनों का अवलोकन करेंगी। उसके बाद रेलमगरा के मदारा गांव में किसान प्रक्षेत्र, इण्डस्ट्रील के तहत् सोलर टनल ड्रायर एवं यंत्र निर्माताओं की वर्क शॉप इत्यादि का दौरा करेगी।

(जन सम्पर्क अधिकारी)

सादर प्रकाशनार्थ :
श्रीमान सम्पादक जी
जिला जनसम्पर्क अधिकारी, आकाषवाणी, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, दैनिक नवज्योति, अपरान्ह टाईम्स, राष्ट्रदूत, जय राजस्थान, उदयपुर एक्सप्रेस, दैनिक लोकदषा, हलधर टाइम्स, समाचार जगत, आत्मा की ज्वाला, मददगार, प्रैसनोट डॉट कॉम, उदयपुर टाइम्स, उदयपुर लेकसिटी डॉट कॉम, जी मरुधरा, इन न्यूज, डी डी न्यूज, इण्डिया न्यूज, चैनल 24, ईटीवी राजस्थान, ...